मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 20

अनुक्रमांक .....

नाम .....

901 801(GN)

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घंटे 15 ममनट] [पूर्णांक : 70

ननदेश : प्रारम्भ के 15 ममनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढने के मलए ननर्धारित हैं |

1. (क) ननम्नमलखित कथनों में से कोई एक कथन सही है , उसे पहचान कर मलखिए :

i. डॉ० हजारी प्रसाद द्ववववेदी प्रमसद्ध कवव हैं |
ii. 'कानन-कुसुम' जयशंकर प्रसाद की प्रमसद्ध कहानी है |
iii. डॉ ० नगेन्द्र प्रमसद्ध आलोचक हैं |
iv. 'गोदान' प्रेमचन्द्द का प्रमसद्ध काव्य है |

(ि) ननम्नमलखित कृनतयों में से ककसी एक के लेखिक का नाम मलखिए :

i. रस-मीमांसा
ii. अद्िर्नारीश्वर
iii. हहमालय की पुकार
iv. आकाश दीप

(ग) ककसी एक एकांकी के लेखिक का नामोल्लेखि कीजजये |(घ) 'ठूंठा आम ' के लेखिक का नाम मलखिए |

(ड) 'क्या भूँ क्या याद करूँ 'ककस ववर्ा की रचना है ?

2.
(क) द्वववेदी युग के दो प्रमुखि कवयों के नाम मलखिए |

(ि) छायावादी युग की ककन्हीं दो प्रववियों का उल्लेखि कीजजये |(ग) 'कर्ुिफूल' युग 'रसवन्ती' के रचनयताओं के नाम मलखिए |

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** के निचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

(क) जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है, तब फिर यह नहीं देखता कि वह कहाँ और कैसी जगह पैर रखता है। **धीरे-धीरे बुरी बातों में अभ्यस्त होते-होते तुम्हारी घृणा कम हो जाएगी**। पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है? तुम्हारा विवेक कुंठित हो जायेगा और भले-बुरे की पहचान न रह जाएगी। **अंत में होते-होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे**। अतः हृदय को उज्ज्वल और निष्कलंक रखने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि बुरी संगति की छूत से बचो।

i. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
ii. रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
iii. सबसे अच्छा उपाय क्या है?

(ख) कितना जीवन बरस पड़ा है इन दीवारों पर जैसे फ़साने-अजायब का भंडार खुल पड़ा हो। कहानी से कहानी टकराती चली गई है। बंदरों की कहानी, हाथियों की कहानी, हिरनों की कहानी। **कहानी क्रूरता और भय की, दया और त्याग की। जहाँ बेरहमी है वहाँ दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाप है वहाँ क्षमा का सोता फूट पड़ा है**। राजा और कंगले, बिलासी और भिक्षु, नर और नारी मनुष्य और पशु

सभी कलाकारों के हाथों मसरजते चले गए हैं |

i. उपयुक्त गद्यांश का सद्दभि मलखिए |
ii. रेखांकित अंशो की व्याख्या कीजिये |
iii. कलाकारों के हाथों क्या मसरजते चले गए हैं ?

4. ननम्नमलखखत पद्यांशों में से ककसी एक की सन्दर्भ सहहत व्याख्याकीजजये और उसका काव्य सौन्दयय स्पष्ट कीजजये :

(क)

अववगत-गनत कछु कहत न आवै |

ज्यौं गंूगे मीठे फल कौ रस , अतरगत की भणवै ||

परम स्वाद सबही सु ननरन्तर, अममत तोष उपजावौ |

मन-बानी कौं अगम-अगोचर, सो जानैं जो पावै ||

रप-रेख-गुन जानत-जुगनत-बबनु, ननरालंब

ककट र्ावै | सब ववर्र् अगम बबचारहहं तातैं ,

सुर सगुन-पद गावै || (ख)

शोमभत है सवोच्च

मुकुट से जजनके

हदव्य देश

मस्तक

ग   रही हैं सकल हदशाएं

जजनके जय-गीतों से

अब तक

जजनकी महहमा का है अवधरल

सणक्षी सत्यरप हहम-

र्गरी-वर उतरण करते थे

ववमणन-दल

जजसके ववसु वक्ष स्थल पर |

तत

5.

(क) ननम्नमलखखत लेखकों में से ककसी एक लेखक कण जीवन- पररचय दीजजये एव उनकी कोई एक रचनण कण नणम मलखखए :

i. जयशंकर प्रसणद
ii. रणमरणरी मसह 'हदनकर'
iii. पदमलणल पन्नु नणलणल बख्शी

(खख) ननम्नमलखखत कववयों में से ककसी एक कवव कण जीवन-पररचय दीजजये और उनकी एक रचनण कण नणम मलखखए :

i. तुलसीदणस
ii. सुममत्रणनंदन पन्त
iii. सुभरणकु मणरी चौहणन

6. ननम्नमलखखत कण सन्दभभ सहहत हहंदी अनुवणद कीजजए :

"ववश्वस्य श्रष्टण ईश्वर: एक एव" इनत भणरतीय संस्कृते:

मुलम |ववमभन्न मतावलजम्बन: वववर्ै: नामभी: एकं एव
ईश्वरम भजन्ते |अजनन: , इंर , कृष्र्: करीम: , राम: ,
रहीम: , जजन: , खा सत: , बुद्र्: , अल्लाह: , इत्यादीनन
नामानन एकस्य एव परमात्मन: सजन्त |तम एव

ईश्वरं जना: ग ुर ु: इत्यवप मन्यन्त े । अत: सव ेषाम मतानाम समभाव: सम्मानश्च अस्माकम स ंस्क ृ त े: सन्द ेश: ।

अथवा

राबत्रगत े मषयन्त भववषयन्त

स ुप्रभात ं , भास्वान ुद ेषयन्त

हमसषयन्त प ंकजाल ी: । इत्थ ं

ववरचन्द्तयन्त क ोशगत े द्ववर े फे

,

हा हन्त ! हन्त ! नमलन ी ं गज उज्जहार ॥

7. (क) अपन ी पाठ्यप ुस्तक स े क ं ठस्त ककया गया क ोई एक श्ल ोक मलखखए ज ो इस प्रश्न-पत्र म े ं नह ी ं आया ह ो ।

(ख) ननम्नमलखखत प्रश्न ों म े ं स े ककन्ह ी द ो प्रश्न ों के उत्तर स ंस्क ृ त म े ं द ीजजय े :

i. इंदु दशनेन क: वर्ते ?
ii. स ुवरस्य कक मख ु यं द ूत म अजस्त ?
iii. वीर: केन प यते ?
iv. आत ुरस्य ममत्र ं ककम अजस्त ?

8. (क) हास्य रस क ी पररभाषा मलखकर उसका एक उदाहरर

दीजिए ।

अथवा

कौरवों का श्रृद्ध करने के लिए

या की रोने को रचता

के

सामन

े शेष अब है रह गया कोई

नहीं

एक वद्र एक अदर्े के सिवा

उपयुक्त पंक्तियों में समाहित रस का नाम लिखिए तथा स्थायी भाव
का उल्लेख भी कीजिये ।

(ख) उपमा अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए ।

अथवा

रपक अलंकार की परिभाषा लिखिए तथा उदाहरण दीजिये ।

(ग) रोला छंद का एक उदाहरण लिखिए और उसकी पहचान बताइए ।

9. (क) निम्नलिखित उपसगों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-

एक शब्द बनाइये :

i. प्र
ii. अप
iii. सु

iv. अन

v. अर्र्

vi. परा

vii. परर

(ि) ननम्नमलि ित मे ं से ककन्ह ी द ो प्रत्ययो ं का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइये :

i. आई

ii. वा

iii. त्व

iv. पन

v. हट

vi. ता

(ग) ननम्नमलि ित मे ं से ककन्ह ीं द ो मे ं समास-ववग्रह कीजिए तथा समास का नाम मलि िए :

i. चक्रपार्ी

ii. शुभ-अशुभ

iii. नवरत्न

iv. नीलकमल

(घ) ननम्नमलि ित मे ं से ककन्ह ी द ो के तत्सम रप मलि िए :

i. भीि

ii. कपूर

iii. जीभ

iv. मौत

(ङ.) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

i. पृथ्वी
ii. कमल
iii. आकाश
iv. नेत्र

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में संधि कीजिए तथा संधि का नाम लिखिए :

i. गुरु + आदेश
ii. महा + ओज:
iii. लृ + आकृति
iv. तथा + एव

(ख) निम्नांकित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए :

i. मधु **अथवा** मति
ii. तद **अथवा** युष्मद

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु , लकार , पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए :

i. हसतु
ii. पश्यन्ति
iii. पठाम:

(घ) ननम्नमलखि त वाक्योों मेें से ककन्हीं दो का संस्कृत मेें अनुवाद कीजजये :

i. अपने राष्ट्र की रक्षा करना हमारा र्मि है ।
ii. मुझे घर जाना चाहहए ।
iii. पेड़ से पिे रगरते हैं ।
iv. कशी संस्कृत भाषा का केंर है ।

11. ननम्नमलखि त ववषयोों मेें से ककसी एक ववषय पर ननबंर् मलखिए :

i. भ्रष्टाचार उद्मूलन
ii. पयाावरर् प्रदषर्
iii. ववज्ञाने का महत्व
iv. स्वदेश प्रेम
v. ववद्याथी और अनुशासन

12. अपने पहठत िंडकाव्य के आरार पर ननम्नमलखि त प्रश्नोों मेें से ककसी एक का उिर मलखिए :

(क)

i. 'जय सुभाष' िंडकाव्य का कथानक संक्षेप मेें मलखिए ।
ii. 'जय सुभास' िंडकाव्य के आर्ार पर सुभाष चन्र बोस की चाररबत्रक ववशेषताओं पर प्रकाश डामलए

(ि)

i. 'अग्रपूजा ' िंडकाव्य के आर्ार पर युर्रष्ठर

की चणररबत्रक ववशेषतणओं को मलखिए

ii. 'अग्रपूजन' खंडकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए |

(ग)

i. 'ज्योत्स्ना-जवाहर ' खंडकाव्य के प्रश्न पत्र का चरित्र-चित्रण कीजिये |

ii. 'ज्योत्स्ना-जवाहर ' खंडकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए |

(घ)

i. 'मेवाड़-मुकुट' खंडकाव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र-चित्रण कीजिये |

ii. 'मेवाड़-मुकुट' खंडकाव्य के प्रताप सिंह की साथ संक्षेप में लिखिए |